

तू दयालु दीन हों,
तू दानी हों भिखारी,
हों प्रसिद्ध पातकी,
तू पाप पुंज हारी,
तू दयालु दीन हो ॥

नाथ तू अनाथ को,
अनाथ कौन मोसो,
मो सामान आरत नहीं,
आरती हर तोसो,
तू दयालु दीन हो ॥

ब्रम्ह तू हों जीव तू है,
ठाकुर हों चरो,
तात मात गुरु सखा,
तू सब विधि ही मेरो,
तू दयालु दीन हो ॥

तोही मोहि नाते अनेक,
मानिए जो भावे,
ज्यो त्यों तुलसी कृपालु,
चरण शरण आवे,
तू दयालु दीन हो ॥

तू दयालु दीन हों,
तू दानी हों भिखारी,
हों प्रसिद्ध पातकी,
तू पाप पुंज हारी,
तू दयालु दीन हो ॥

स्वर अनुराधा जी पौडवाल ।
प्रेषक आशीष कुमरावत
6260018043

Source: <https://www.bharattemples.com/tu-dayalu-deen-ho-in-hindi/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>